

संपत्ति का विभाजन न हुआ हो, संयुक्त परिवार।

अविभक्त संपत्ति स्त्री. (तत्.) परिवार की वह चल-अचल संपत्ति, जिसका परिवार के सदस्यों में अभी तक बंटवारा नहीं हुआ हो।

अविभाग वि. (तत्.) 1. जिसके टुकड़े न हुए हों 2. जो संपूर्ण हो या एक हो, निर्विभाग।

अविभाज्य पुं. (तत्.) 1. वह संख्या जिसके खंड न किए जा सकें 2. वह राशि जिसका किसी भाजक से भाग न किया जा सके **वि.** जिसे विभक्त न किया जा सके, जिसे बाँटा न जा सके **विलो.** विभाज्य।

अविभाज्य संपदा स्त्री. (तत्.) वह भूमि या संपत्ति आदि जिसका विभाजन विधितः संभव न हो।

अविभेदित वि. (तत्.) जिसमें भेद न किया गया हो, भेदभाव रहित।

अविमुक्त वि. (तत्.) 1. जो मुक्त न हो, बद्ध, अमुक्त, अस्वतंत्र 2. काशी नगरी, वाराणसी।

अविमुक्ति स्त्री. (तत्.) अत्यन्त श्रद्धा-भक्ति के कारण मन का उपास्य में इस प्रकार रम जाना कि अन्य देवादिके प्रति श्रद्धा संभव नहीं होती, अनन्य भक्ति।

अवियुक्त वि. (तत्.) जो वियोजित या पृथक् न हो।

अवियोग पु. (तत्.) वियोग न होने की स्थिति, संयोग।

अवियोज्य वि. (तत्.) जिन्हें वियोजित या अलग करना उचित या सुकर न हो।

अविरत क्रि.वि. (तत्.) विरति या विराम के बिना, निरंतर, अनवरत, व्यवधान-रहित, सतत, हमेशा **वि.** (तत्.) विरामशून्य, निरंतर।

अविरति स्त्री. (तत्.) विरति अर्थात् अलग न हो पाने या विमुख न हो पाने की स्थिति, विषय भोग से विमुख न हो पाना, विषयों से लगाव बना रहना, आसक्ति।

अविरल वि. (तत्.) 1. जो विरल अर्थात् कम या सविराम न हो, निरंतर, अविराम 2. सघन, घना उदा. पानी ऐसे बरसता है कि जैसे भक्त के मन में अविरल राम-रस-धारा बहती है -मानस का हंस।

अविराम वि. (तत्.) बिना विराम, बिना रुके हुए **क्रि.वि.** लगातार, निरंतर **पुं.** विरामाभाव, निरंतरता, नैरंतर्य **विलो.** विराम।

अविरुद्ध वि. (तत्.) जो विरुद्ध न हो, जो प्रतिकूल न हो, अनुकूल, सुसंगत **विलो.** विरुद्ध।

अविरूपित वि. (तत्.) जिसका मूल रूप बिगड़ा न हो या बिगाड़ा न गया हो प्रश्ना. (स्टांप, टिकट आदि) जिन पर मोहर लगा कर या आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींच कर उन्हें दुबारा प्रयोग के अयोग्य न कर दिया गया हो।

अविरेचन पुं. (तत्.) 1. विरेचन क्रिया में बाधा उत्पन्न करनेवाली वस्तु 2. कब्ज करनेवाली वस्तु **विलो.** विरेचन।

अविरोध पुं. (तत्.) 1. विरोध का अभाव, निर्विरोधिता 2. साधर्म्य, समानता, मेल, संगति।

अविरोध निर्वाचन पुं. (तत्.) दे. निर्विरोध निर्वाचन।

अविरोधी वि. (तत्.) जो विरोधी न हो, विरोध-रहित, सुसंगत, अनुकूल।

अविलंब क्रि.वि. (तत्.) बिना विलंब किए, तुरंत, तत्काल **पुं.** (तत्.) शीघ्रता, विलंब का अभाव।

अविलेय वि. (तत्.) जो किसी विलायक में घुल न सके उदा. खड़िया, पानी में अविलेय है insoluble

अविलोडित वि. (तत्.) अमथित, बिना मथा हुआ **विलो.** विलोडित।

अविवक्षा स्त्री. (तत्.) विवश अर्थात् कहने या बोलने की इच्छा का न होना।

अविवक्षित वि. (तत्.) 1. अकथनीय, अकथित 2. अनभिप्रेत।